# बैंक ऑफ अमेरिका प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश में निवेश के अवसरों के बारे में जाना

**लखनऊ, 8 जून 2024:** बैंक ऑफ अमेरिका के 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आज लखनऊ में इन्वेस्ट यूपी कार्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार के अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, श्री मनोज कुमार सिंह से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य विदेशी निवेशकों को राज्य में निवेश के गंतव्यों की जानकारी करना था।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्य की बढ़ती आर्थिक ताकत एवं रणनीतिक सुधारों, प्रमुख अवसंरचनात्मक परियोजनाओं तथा निवेश-अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के लिए राज्य में हो रहे सक्रिय परिवर्तन पर चर्चा की।

बैठक में बैंक ऑफ अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश में उपलब्ध निवेश के व्यापक अवसरों के विषय में जाना। बैठक प्रमुख रूप से कृषि, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, अवस्थापना एवं ऊर्जा जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित रही। प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश को भारत का एक प्रमुख निवेश गंतव्य मानते हुए, राज्य के निवेश गंतव्य को जाना समझा।

श्री मनोज कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश को भारत में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बताया और दो अंकों वाली विकास दर के साथ राज्य की मजबूत आर्थिक वृद्धि पर जोर दिया।

उन्होंने उत्तर प्रदेश की भौगोलिक स्थिति और व्यापक बुनियादी ढांचे पर प्रकाश डालते हुए इसके देश का सर्वाधिक हवाई अड्डे एवं एकमात्र रैपिड रेल प्रणाली वाला राज्य होने पर बल दिया। उन्होंने यह भी बताया की उत्तर प्रदेश में वाराणसी को हल्दिया से जोड़ने वाले एक मल्टी-नोडल अंतर्देशीय जलमार्ग टर्मिनल है, साथ ही देश के कुल एक्सप्रेसवे का लगभग 45% उत्तर प्रदेश में ही हैं, जिसके कारण इसे 'एक्सप्रेसवे प्रदेश' भी कहा जाता है।

कृषि क्षेत्र पर प्रकाश डालते हुए, आईआईडीसी ने उल्लेख किया कि उत्कृष्ट सिंचाई सुविधाओं की मदद से राज्य की लगभग 75% भूमि पर खेती की जाती है, जो की उत्तर प्रदेश को "देश का खाद्य भंडार" बनाता है।

उन्होंने आगे यह भी कहा कि राज्य की कृषि क्षमता और प्रभावी सिंचाई प्रणाली के आधार पर सामाजिक-आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन प्राप्त किया जा सकता है। इस क्षेत्र में नवाचारों, विशेष रूप से आनुवंशिक खेती प्रथाओं में जो कृषि-उत्पादकता बढ़ा सकते हैं, के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

प्रमुख सांस्कृतिक एवं पर्यटन गंतव्य होने के साथ ही साथ इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा व्यापार-अनुकूल वातावरण होने के कारण राज्य को भारत का सबसे पसंदीदा व्यापारिक गंतव्य भी बताया। उत्तर प्रदेश में बेहतर कानून-व्यवस्था की स्थिति की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसने व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

प्रतिनिधिमंडल ने पर्यटन, कृषि, ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में निवेश के कई अवसरों पर विस्तृत चर्चा की और प्रत्येक क्षेत्र से जुड़े अवसरों के विवरण भी मांगे।

प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई यह बैठक, निवेश परिदृश्य में उत्तर प्रदेश के प्रति बढ़ती अंतरराष्ट्रीय दिलचस्पी का सूचक है। चूंकि राज्य अपनी दो प्रमुख निवेश प्रोत्साहन नीतियों - औद्योगिक निवेश और रोजगार प्रोत्साहन नीति - 2022 तथा एफडीआई फॉर्च्यून ग्लोबल 500, फॉर्च्यून इंडिया 500 कंपनी निवेश प्रोत्साहन नीति - 2023 एवं 25 क्षेत्रीय नीतियों के माध्यम से अपने बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना जारी रखता है, इसलिए उत्तर प्रदेश भारत में निवेश के अवसर तलाशने वाले वैश्विक निवेशकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य है।

---